एक साम्राज्य की राजधानी_ विजयनगर

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» विजयनगर साम्राज्य का परिचय और हम्पी की खोज

प्रश्न 1 (आसान). विजयनगर साम्राज्य की स्थापना कौन से दो भाइयों ने की थी?
उत्तर – हरिहर और बुक्का

प्रश्न 2 (आसान). हम्पी के भग्नावशेषों को दुनिया के सामने लाने वाले पहले व्यक्ति कौन थे?
उत्तर – कर्नल कॉलिन मैकेंजी

प्रश्न 3 (मध्यम). कर्नल मैकेंजी ने हम्पी की शुरुआती जानकारी कैसे इकट्ठा की थी?
उत्तर – उन्होंने विरुपाक्ष मंदिर और पंपादेवी के पूजास्थल के पुरोहितों की स्मृतियों पर आधारित जानकारी हासिल की थी।

प्रश्न 4 (कठिन). विजयनगर साम्राज्य के इतिहास के पुनर्निर्माण में इतिहासकारों ने कौन-कौन से स्रोतों का उपयोग किया?
उत्तर – इतिहासकारों ने पुरोहितों की स्मृतियों, अभिलेखों, छायाचित्रों, विदेशी यात्रियों के वृत्तांतों और तेलुगु, कन्नड़, तमिल तथा संस्कृत में लिखे गए साहित्य का मिलान करके इतिहास का पुनर्निर्माण किया।

» राय, नायक और सुलतान: राजनीतिक संरचना

प्रश्न 5 (आसान). विजयनगर साम्राज्य के शासकों को किस नाम से जाना जाता था?
उत्तर – राय

प्रश्न 6 (आसान). दक्कन के सुल्तानों को किस नाम से पुकारा जाता था?
उत्तर – अश्वपति (घोड़ों के स्वामी)

प्रश्न 7 (मध्यम). अमर-नायक प्रणाली से आप क्या समझते हैं? संक्षेप में समझाइए।
उत्तर – अमर-नायक प्रणाली विजयनगर साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक व्यवस्था थी, जिसमें सैन्य कमांडर (नायक) राजा के अधीन काम करते थे। उन्हें ज़मीनें दी जाती थीं, जिसके बदले में वे राजा को सैन्य सहायता और कर देते थे। यह प्रणाली सामंती व्यवस्था जैसी ही थी।

प्रश्न 8 (कठिन). विजयनगर साम्राज्य को अपने किन पड़ोसी राज्यों से लगातार संघर्ष करना पड़ा और इसके क्या कारण थे?
उत्तर – विजयनगर साम्राज्य को मुख्य रूप से दक्कन के सुल्तानों (जैसे बीजापुर, अहमदनगर, गोलकुंडा) और उड़ीसा के गजपति शासकों से संघर्ष करना पड़ा। संघर्ष के मुख्य कारण थे उर्वर नदी घाटियों (विशेषकर रायचूर दोआब) पर नियंत्रण, लाभकारी विदेशी व्यापार से उत्पन्न संपदा पर अधिकार, और राजनीतिक प्रभुत्व की महत्वाकांक्षाएँ।

» शासक, व्यापारी और आर्थिक व्यवस्था

प्रश्न 9 (आसान). विजयनगर के शासक किस देश से घोड़ों का आयात करते थे?
उत्तर – अरब और मध्य एशिया से।

प्रश्न 10 (आसान). 'कुदिरई चेट्टी' कौन थे?
उत्तर – घोड़ों के स्थानीय व्यापारी।

प्रश्न 11 (मध्यम). पुर्तगालियों का विजयनगर साम्राज्य के व्यापार पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर – पुर्तगालियों के आने से व्यापारिक गतिविधियाँ बढ़ीं, उन्होंने पश्चिमी तट पर व्यापारिक और सामरिक केंद्र बनाए, और उनकी बंदूकों ने विजयनगर की राजनीति में उन्हें एक महत्वपूर्ण शक्ति बना दिया। उन्होंने घोड़ों के साथ अन्य वस्तुओं के व्यापार को भी बढ़ावा दिया।

प्रश्न 12 (कठिन). कृष्णदेव राय ने व्यापारियों को बढ़ावा देने के लिए अपनी पुस्तक में क्या सलाह दी थी? इससे राज्य को क्या लाभ होता था?
उत्तर – कृष्णदेव राय ने कहा था कि राजा को अपने बंदरगाहों को सुधारना चाहिए, व्यापार को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि घोड़े, हाथी, रत्न जैसी वस्तुएं आयात हो सकें। उन्हें विदेशी नाविकों और व्यापारियों की अच्छी देखभाल करनी चाहिए, उन्हें तोहफे देने चाहिए और उचित मुनाफे की अनुमति देनी चाहिए। इससे ये वस्तुएं दुश्मनों तक नहीं पहुंचेंगी और राज्य को व्यापार से राजस्व मिलेगा, जिससे वह समृद्ध होगा।

» राज्य का चरमोत्कर्ष और पतन

प्रश्न 13 (आसान). विजयनगर साम्राज्य का चरमोत्कर्ष किस शासक के काल में हुआ?
उत्तर – कृष्णदेव राय।

प्रश्न 14 (आसान). तालीकोटा का युद्ध कब हुआ था?
उत्तर – 1565 ईस्वी में।

प्रश्न 15 (मध्यम). तालीकोटा युद्ध के प्रमुख पक्ष कौन-कौन से थे?
उत्तर – एक तरफ विजयनगर की सेना थी, और दूसरी तरफ बीजापुर, अहमदनगर तथा गोलकुंडा की संयुक्त सेनाएँ।

प्रश्न 16 (कठिन). कृष्णदेव राय के शासनकाल के बाद विजयनगर साम्राज्य के पतन के मुख्य कारण क्या थे?
उत्तर – उत्तराधिकारियों में तनाव, विद्रोही नायकों (सेनापतियों) की बढ़ती शक्ति, और दक्कन सल्तनतों के साथ बिगड़ते संबंध, जो अंततः तालीकोटा युद्ध में परिणत हुए।

» विजयनगर की राजधानी और उसका परिवेश: जल-संपदा

प्रश्न 17 (आसान). विजयनगर की राजधानी किस नदी के किनारे स्थित थी?
उत्तर – तुंगभद्रा नदी के किनारे।

प्रश्न 18 (आसान). कमलपुरम् जलाशय किस सदी में बनाया गया था?
उत्तर – पंद्रहवीं शताब्दी में।

प्रश्न 19 (मध्यम). हिरिया नहर का मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर – यह तुंगभद्रा नदी से पानी लाकर धार्मिक और शहरी केंद्रों के बीच की घाटी की सिंचाई करती थी।

प्रश्न 20 (कठिन). विजयनगर के शासकों ने जल-संरक्षण के लिए कौन सी रणनीति अपनाई और क्यों?
उत्तर – उन्होंने पहाड़ियों से आने वाली जल-धाराओं पर बांध बनाकर हौज़ और जलाशयों का निर्माण किया। यह इसलिए आवश्यक था क्योंकि विजयनगर एक शुष्क क्षेत्र में स्थित था और पानी की उपलब्धता शहर के अस्तित्व और कृषि के लिए महत्वपूर्ण थी। उन्होंने प्राकृतिक भू-भाग का कुशलता से उपयोग किया।

» विजयनगर की किलेबंदियाँ और सड़कें

प्रश्न 21 (आसान). विजयनगर की किलेबंदी की कितनी पंक्तियों का उल्लेख अब्दुर रज़्ज़ाक ने किया है?
उत्तर – सात पंक्तियों का।

प्रश्न 22 (आसान). विजयनगर के प्रवेशद्वारों पर किस स्थापत्य शैली का प्रभाव था?
उत्तर – इंडो-इस्लामिक शैली का।

प्रश्न 23 (मध्यम). विजयनगर की किलेबंदी में कृषि क्षेत्रों को शामिल करने का मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर – घेराबंदी के दौरान शहर को खाद्य सामग्री की कमी से बचाना।

प्रश्न 24 (कठिन). विजयनगर के प्रवेशद्वारों पर बनी मेहराब और गुंबद तुर्की सुल्तानों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य के चारित्रिक तत्व क्यों माने जाते हैं?
उत्तर – क्योंकि ये वास्तुकला के तत्व तुर्की सुल्तानों के शासनकाल में विकसित हुए और इंडो-इस्लामिक शैली के संपर्क से विजयनगर में भी अपनाए गए, जो विभिन्न क्षेत्रों की स्थानीय स्थापत्य परंपराओं के साथ मेलजोल का परिणाम था।

» शहरी केंद्र और सामान्य लोगों का जीवन

प्रश्न 25 (आसान). विजयनगर में सामान्य लोगों के आवास कैसे थे, इसका वर्णन किसने किया है?
उत्तर – पुर्तगाली यात्री बरबोसा ने।

प्रश्न 26 (आसान). विजयनगर के मुस्लिम मुहल्ले में कौन-कौन से पूजा स्थल पाए गए हैं?
उत्तर – मक़बरे और मस्जिदें।

प्रश्न 27 (मध्यम). विजयनगर में आम लोगों के घरों के अवशेष कम क्यों मिलते हैं?
उत्तर – क्योंकि वे मिट्टी और घास-फूस जैसी कम टिकाऊ चीज़ों से बने होते थे जो समय के साथ नष्ट हो जाते हैं।

प्रश्न 28 (कठिन). विजयनगर में पानी के मुख्य स्रोत क्या थे और ये सामान्य लोगों के लिए क्यों महत्वपूर्ण थे?
उत्तर – पानी के मुख्य स्रोत कुएँ, बरसात के पानी वाले जलाशय और मंदिरों के जलाशय थे। ये सामान्य लोगों के लिए दैनिक ज़रूरतों और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए बहुत महत्वपूर्ण थे।

» राजकीय केंद्र: महानवमी डिब्बा और अन्य भवन

प्रश्न 29 (आसान). विजयनगर के राजकीय केंद्र में कितने मंदिर थे?
उत्तर – 60 से अधिक मंदिर थे।

प्रश्न 30 (आसान). महानवमी डिब्बा की ऊँचाई लगभग कितनी थी?
उत्तर – लगभग 40 फीट ऊँचा था।

प्रश्न 31 (मध्यम). सभा मंडप किस लिए प्रयोग किया जाता था और उसकी क्या खासियत थी?
उत्तर – सभा मंडप एक ऊँचा मंच था जिसमें लकड़ी के खंभों के लिए छेद थे और एक सीढ़ी भी थी। इसका सटीक उपयोग स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह राजा के सलाहकारों से मिलने के लिए एक परिषदीय सदन हो सकता था।

प्रश्न 32 (कठिन). हज़ारा राम मंदिर की क्या विशेषता थी और यह सामान्य मंदिरों से कैसे भिन्न था?
उत्तर – हज़ारा राम मंदिर संभवतः केवल राजा और उसके परिवार के लिए था। इसकी दीवारों पर रामायण के दृश्य उत्कीर्णित थे, जो इसे अन्य मंदिरों से अलग बनाते थे।

» राजकीय केंद्र के विशेष स्थापत्य: कमल महल और हाथी अस्तबल

प्रश्न 33 (आसान). कमल महल को यह नाम किसने दिया था?
उत्तर – उन्नीसवीं सदी के अंग्रेज यात्रियों ने।

प्रश्न 34 (आसान). हाथी अस्तबल का मुख्य उपयोग क्या था?
उत्तर – राजा के हाथियों को रखने के लिए।

प्रश्न 35 (मध्यम). कमल महल की वास्तुकला पर किस शैली का प्रभाव दिखता है?
उत्तर – इंडो-इस्लामिक स्थापत्य शैली का।

प्रश्न 36 (कठिन). इतिहासकार कमल महल के कार्य को लेकर निश्चित क्यों नहीं हैं?
उत्तर – क्योंकि इसके उपयोग के बारे में कोई स्पष्ट ऐतिहासिक प्रमाण या अभिलेख नहीं मिले हैं, सिर्फ अनुमान लगाए जाते हैं।

» धार्मिक केंद्र: मंदिरों का चयन और महत्व

प्रश्न 37 (आसान). विजयनगर में कौन सी नदी धार्मिक केंद्र के पास थी?
उत्तर – तुंगभद्रा नदी

प्रश्न 38 (आसान). पम्पादेवी किसकी अवतार मानी जाती थीं?
उत्तर – स्थानीय मातृदेवी

प्रश्न 39 (मध्यम). विजयनगर के शासक मंदिर निर्माण को क्यों बढ़ावा देते थे?
उत्तर – शासक मंदिर निर्माण को अपनी सत्ता, संपत्ति और निष्ठा के लिए समर्थन तथा मान्यता प्राप्त करने के लिए बढ़ावा देते थे। ये मंदिर शिक्षा और सामाजिक गतिविधियों के केंद्र भी थे।

प्रश्न 40 (कठिन). विजयनगर के शासक अपने राजकीय आदेशों पर किस देवता का नाम अंकित करवाते थे और यह क्या दर्शाता है?
उत्तर – विजयनगर के शासक अपने राजकीय आदेशों पर 'श्री विरुपाक्ष' शब्द अंकित करवाते थे। यह दर्शाता है कि वे स्वयं को भगवान विरुपाक्ष की ओर से शासन करने वाला मानते थे, जिससे उनकी धार्मिक वैधता और जनता में स्वीकृति बढ़ती थी।

» धार्मिक स्थापत्य: गोपुरम् और मंडप

प्रश्न 41 (आसान). विजयनगर के मंदिरों में गोपुरम् क्या होता था?
उत्तर – यह मंदिर का विशाल और ऊँचा प्रवेश द्वार होता था।

प्रश्न 42 (आसान). मंडप का उपयोग किसलिए होता था?
उत्तर – मंडप में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते थे, जैसे नृत्य, नाटक और देवी-देवताओं के विवाह उत्सव।

प्रश्न 43 (मध्यम). राय गोपुरम् शासकों की शक्ति को कैसे दिखाते थे?
उत्तर – इतने ऊँचे और भव्य गोपुरम् बनवाने के लिए बहुत धन, तकनीकी ज्ञान और कारीगरी की ज़रूरत होती थी, जो शासक की महान शक्ति को दर्शाता था।

प्रश्न 44 (कठिन). विट्ठल मंदिर की कौन सी एक खास बात थी जो विजयनगर के शासकों की 'साम्राज्यिक संस्कृति' को दर्शाती थी?
उत्तर – विट्ठल मंदिर के मुख्य देवता विट्ठल थे, जो महाराष्ट्र में पूजे जाने वाले विष्णु के रूप थे। विजयनगर में इनकी पूजा शुरू करना दिखाता है कि शासकों ने अलग-अलग परंपराओं को अपनाया और अपनी साम्राज्यिक संस्कृति में शामिल किया।

» पुरातात्विक सर्वेक्षण और पुनर्निर्माण की पद्धतियाँ

प्रश्न 45 (आसान). विजयनगर के पुरातात्विक सर्वेक्षण में मुख्य रूप से किस प्रकार की विधि का उपयोग किया गया?
उत्तर – मानचित्रा निर्माण और भौतिक अवशेषों का प्रलेखन।

प्रश्न 46 (आसान). पूरे विजयनगर क्षेत्र को सबसे पहले कितने वर्गाकार भागों में बाँटा गया था?
उत्तर – 25 वर्गाकार भागों में।

प्रश्न 47 (मध्यम). पुरातात्विक सर्वेक्षण में छोटे वर्गों को और छोटी इकाइयों में क्यों बाँटा गया?
उत्तर – ताकि हजारों संरचनाओं के अंशों - छोटे देवस्थलों और आवासों से लेकर विशाल मंदिरों तक - को सूक्ष्मता से उजागर और प्रलेखित किया जा सके।

प्रश्न 48 (कठिन). यह गहन सर्वेक्षण क्यों आवश्यक था, जबकि यात्रियों के वृत्तांत और अभिलेख पहले से मौजूद थे?
उत्तर – यात्रियों के वृत्तांत और अभिलेख केवल जानकारी देते थे, लेकिन विस्तृत भौतिक अवशेषों का प्रलेखन और मानचित्रा निर्माण से ही सड़कों, रास्तों, बाजारों और इमारतों की सटीक स्थिति का पता चलता था, जिससे शहर के वास्तविक स्वरूप का पुनर्निर्माण संभव हो सका।

» विजयनगर के बाजार और जनजीवन

प्रश्न 49 (आसान). विजयनगर आने वाले दो प्रमुख विदेशी यात्रियों के नाम बताइए जिन्होंने बाज़ारों का वर्णन किया?
उत्तर – डोमिंगो पेस और फर्नाओ नूनिश।

प्रश्न 50 (आसान). पेस के अनुसार, विजयनगर में कौन से अनाज सस्ते और प्रचुर मात्रा में मिलते थे?
उत्तर – चावल, गेहूँ, अनाज, भारतीय मकई, जौ, सेम, मूँग, दालें, काला चना।

प्रश्न 51 (मध्यम). नूनिश ने विजयनगर के बाज़ारों में कौन से फल मिलने का उल्लेख किया है और उनकी कीमत कैसी थी?
उत्तर – नूनिश ने अंगूर, संतरे, नींबू, अनार, कटहल तथा आम जैसे फलों का उल्लेख किया है, जो सभी बहुत सस्ते मिलते थे।

प्रश्न 52 (कठिन). विजयनगर के बाज़ारों में उपलब्ध मांस की विविधता का वर्णन कीजिए, जैसा कि नूनिश ने बताया है।
उत्तर – नूनिश ने उल्लेख किया है कि बाज़ारों में भेड़-बकरी का मांस, सूअर, मृगमांस, तीतर-मांस, खरगोश, कबूतर, बटेर और सभी प्रकार के पक्षी, चिड़ियाँ, चूहे तथा बिल्लियाँ और छिपकलियाँ तक बिकती थीं।

» इतिहास पुनर्निर्माण की चुनौतियाँ और भविष्य की खोज

प्रश्न 53 (आसान). विजयनगर के इतिहास को जानने के लिए सबसे ज़्यादा किस प्रकार के स्रोतों का प्रयोग किया गया है?
उत्तर – शाही आदेश, यात्रियों के वृतांत और स्थापत्य अवशेष।

प्रश्न 54 (आसान). स्थापत्य साक्ष्य हमें आम लोगों की किस बात के बारे में नहीं बता सकते?
उत्तर – उनकी सोच, भावनाओं और अनुभवों के बारे में।

प्रश्न 55 (मध्यम). विशाल निर्माण परियोजनाओं में लगे श्रमिकों के बारे में जानकारी का अभाव क्यों है?
उत्तर – क्योंकि उनके जीवन और अनुभवों को लिखित रूप में दर्ज नहीं किया गया था, और स्थापत्य साक्ष्य केवल इमारत बताते हैं, कारीगरों का जीवन नहीं।

प्रश्न 56 (कठिन). इतिहास पुनर्निर्माण की चुनौतियों में से कोई दो चुनौतियाँ बताइए जो भविष्य के शोध के लिए महत्वपूर्ण हैं।
उत्तर – आम लोगों की सोच और विशाल निर्माण में लगे श्रमिकों के बारे में जानकारी का अभाव, ये दोनों ही भविष्य में अन्य स्रोतों की खोज के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ हैं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. विजयनगर साम्राज्य की खोज किसने और कब की?

› सबसे पहले हमें देखना है कि प्रश्न 'खोज' के बारे में पूछ रहा है, न कि 'स्थापना' के बारे में।
› हमने अभी पढ़ा कि हम्पी के भग्नावशेषों को कर्नल कॉलिन मैकेंजी ने प्रकाश में लाया था।
› यह घटना 1800 ईसवी की है।
› तो हम सही उत्तर को जोड़कर लिखेंगे।

उत्तर – विजयनगर साम्राज्य (हम्पी के भग्नावशेषों) की खोज 1800 ई. में कर्नल कॉलिन मैकेंजी द्वारा की गई थी।

उदाहरण 2. विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख राजवंशों का सही क्रम लिखिए और कृष्णदेव राय किस वंश से संबंधित थे?

› विजयनगर साम्राज्य में चार प्रमुख राजवंशों ने शासन किया था।
› पहला वंश था संगम वंश, जिसने 1485 तक शासन किया।
› फिर आए सुलुव वंश के शासक, जो सैनिक कमांडर थे और 1503 तक सत्ता में रहे।
› सुलुवों के बाद तुलुव वंश आया।
› कृष्णदेव राय इसी तुलुव वंश से संबंधित थे।
› सबसे आखिर में अराविदु वंश ने शासन किया।

उत्तर – सही क्रम है: संगम वंश सुलुव वंश तुलुव वंश अराविदु वंश। कृष्णदेव राय तुलुव वंश से संबंधित थे।

उदाहरण 3. विजयनगर साम्राज्य के आर्थिक विकास में घोड़े के व्यापार की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

› पहला कदम: यह समझना कि विजयनगर को लगातार युद्ध लड़ने पड़ते थे, खासकर दक्कन के सुल्तानों से। इन युद्धों में पैदल सेना के साथ-साथ घुड़सवार सेना यानी अश्वसेना बहुत निर्णायक होती थी।

› दूसरा कदम: यह जानना कि विजयनगर में अच्छी नस्ल के घोड़ों की कमी थी। इसलिए, शक्तिशाली अश्वसेना बनाए रखने के लिए उन्हें अरब और मध्य एशिया से घोड़ों का आयात करना पड़ता था।

› तीसरा कदम: यह पहचानना कि यह घोड़ा व्यापार सिर्फ़ सुरक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी महत्वपूर्ण था। 'कुदिरई चेट्टी' जैसे स्थानीय व्यापारियों के समूह इसमें शामिल थे, जिससे धन का आदान-प्रदान होता था और व्यापार फलता-फूलता था।

› चौथा कदम: पुर्तगालियों के आगमन (1498) के बाद इस व्यापार में और तेज़ी आई, क्योंकि वे भी पश्चिमी तट पर व्यापारिक केंद्र बनाना चाहते थे और उनकी बंदूकें सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण थीं, जिससे घोड़ों के साथ-साथ अन्य वस्तुओं का व्यापार भी बढ़ा।

उत्तर – विजयनगर साम्राज्य में घोड़े का व्यापार सैन्य शक्ति बनाए रखने और आर्थिक समृद्धि दोनों के लिए महत्वपूर्ण था। युद्धों में अश्वसेना की निर्णायक भूमिका थी, जिसके लिए अरब और मध्य एशिया से उच्च गुणवत्ता वाले घोड़ों का आयात किया जाता था। इससे 'कुदिरई चेट्टी' जैसे स्थानीय व्यापारी समृद्ध हुए और राज्य को राजस्व भी मिला। पुर्तगालियों के आगमन ने इस व्यापार को और बढ़ावा दिया।

उदाहरण 4. कृष्णदेव राय के शासनकाल की प्रमुख विशेषताएँ क्या थीं और 1565 के तालीकोटा युद्ध के क्या परिणाम हुए?

› कृष्णदेव राय के शासनकाल की विशेषताएँ समझने के लिए, हमें देखना होगा कि उन्होंने क्या बड़े काम किए। उन्होंने 1512 में तुंगभद्रा और कृष्णा नदियों के बीच का 'रायचूर दोआब' जीता, जो बहुत उपजाऊ इलाका था।

› उन्होंने उड़ीसा के शासकों को और बीजापुर के सुल्तान को हराया, जिससे साम्राज्य का विस्तार हुआ और वह और मजबूत बना।

› सांस्कृतिक रूप से, उन्होंने कई खूबसूरत मंदिरों का निर्माण करवाया और दक्षिण भारत के बड़े मंदिरों में भव्य गोपुरम (ऊँचे प्रवेश द्वार) बनवाए। उन्होंने अपनी माँ के नाम पर 'नगलपुरम्' नाम का एक नया नगर भी बसाया था।

› अब तालीकोटा युद्ध पर आते हैं। कृष्णदेव राय की मृत्यु के बाद, उनके उत्तराधिकारियों के बीच तनाव बढ़ने लगा। नायक (सेनापति) भी विद्रोह करने लगे।

› अंततः, 1565 में, विजयनगर के प्रधानमंत्री रामराय के नेतृत्व में विजयनगर की सेना को बीजापुर, अहमदनगर और गोलकुंडा की संयुक्त सेनाओं ने राक्षसी-तांगड़ी (तालीकोटा) के युद्ध में बुरी तरह हराया।

› इस हार के बाद, विजयनगर शहर को विजेता सेनाओं ने लूट लिया और जला दिया। कुछ ही सालों में यह शहर पूरी तरह से उजड़ गया।

› साम्राज्य का केंद्र बदल गया। अराविदु राजवंश ने पेनुकोंडा और बाद में चंद्रगिरी से शासन जारी रखा, लेकिन विजयनगर शहर का गौरव समाप्त हो गया।

उत्तर – कृष्णदेव राय के शासनकाल में विजयनगर साम्राज्य का विस्तार हुआ, रायचूर दोआब जीता गया, उड़ीसा और बीजापुर के शासकों को हराया गया। उन्होंने भव्य मंदिरों और गोपुरमों का निर्माण करवाया। तालीकोटा युद्ध (1565) में विजयनगर की हार के बाद, शहर नष्ट हो गया और साम्राज्य का केंद्र बदल गया, हालांकि अराविदु वंश ने शासन जारी रखा।

उदाहरण 5. विजयनगर साम्राज्य ने प्रायद्वीपीय भारत के शुष्क क्षेत्र में पानी की कमी का सामना कैसे किया? किन्हीं दो मुख्य जल-संरचनाओं का वर्णन करें।

› पहला कदम यह समझना है कि विजयनगर तुंगभद्रा नदी के किनारे ग्रेनाइट पहाड़ियों से घिरे शुष्क क्षेत्र में था, जहाँ पानी का प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण था।

› उन्होंने प्राकृतिक जल-धाराओं पर बांध बनाए और उनसे अलग-अलग आकार के हौज़ (जलाशय) निर्मित किए ताकि पानी को जमा किया जा सके।

› एक महत्वपूर्ण संरचना 'कमलपुरम् जलाशय' थी, जिसे 15वीं शताब्दी में बनाया गया था। यह जलाशय आसपास के खेतों को सींचता था और एक नहर के माध्यम से शाही केंद्र तक पानी पहुँचाता था।

› दूसरी महत्वपूर्ण संरचना 'हिरिया नहर' थी, जो तुंगभद्रा नदी पर बने एक बांध से पानी लाती थी। यह नहर धार्मिक केंद्र और शहरी केंद्र के बीच की घाटी की सिंचाई के लिए इस्तेमाल होती थी।

› इन प्रणालियों से पता चलता है कि विजयनगर के शासकों ने सूखेपन से निपटने के लिए एक विस्तृत और कुशल जल-प्रबंधन प्रणाली विकसित की थी।

उत्तर – विजयनगर ने प्राकृतिक जल-स्रोतों, विशेषकर तुंगभद्रा नदी और पहाड़ी धाराओं का उपयोग करके पानी की कमी का सामना किया। उन्होंने जल-धाराओं पर बांध बनाकर हौज़ (जलाशय) बनाए। कमलपुरम् जलाशय खेतों की सिंचाई और शाही केंद्र को पानी देता था, जबकि हिरिया नहर तुंगभद्रा से पानी लाकर धार्मिक और शहरी केंद्रों के बीच की घाटी को सींचती थी।

उदाहरण 6. प्रश्न: विजयनगर की किलेबंदी की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या थी, और क्यों?

› स्टेप 1: किलेबंदी की सामान्य जानकारी को याद करें - अब्दुर रश्शाक ने सात पंक्तियों का उल्लेख किया है।

› स्टेप 2: सबसे खास बात पर ध्यान दें - किलेबंदी में सिर्फ शहर ही नहीं, बल्कि कृषि क्षेत्र और जंगल भी शामिल थे।

› स्टेप 3: कारण पर विचार करें - मध्यकाल में घेराबंदी के दौरान दुश्मन को भूखा रखकर आत्मसमर्पण करवाने की कोशिश की जाती थी। अगर खेत भी किले के अंदर होंगे, तो खाने की कमी नहीं होगी।

› स्टेप 4: उत्तर को स्पष्ट रूप से लिखें - विजयनगर की किलेबंदी की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि इसमें कृषि क्षेत्रों को भी शामिल किया गया था। ऐसा इसलिए किया गया ताकि घेराबंदी के समय शहर को खाद्य सामग्री की कमी न हो और दुश्मन उन्हें भूखा मारकर आत्मसमर्पण करने पर मजबूर न कर सके।

उत्तर – विजयनगर की किलेबंदी की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि इसमें कृषि क्षेत्रों को भी शामिल किया गया था। इसका कारण यह था कि घेराबंदी के दौरान शहर को खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और दुश्मनों द्वारा खाद्य सामग्री की कमी करके आत्मसमर्पण पर मजबूर न किया जा सके।

उदाहरण 7. विजयनगर साम्राज्य के शहरी केंद्र में सामान्य लोगों के जीवन की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करें।

› सबसे पहले, पुर्तगाली यात्री बरबोसा के विवरण को याद करेंगे, जिसने सामान्य घरों के बारे में बताया है।

› फिर, मुस्लिम रिहायशी मुहल्ले और उनकी वास्तुकला की बात करेंगे।

› इसके बाद, पानी के स्रोतों और पूजा स्थलों का उल्लेख करेंगे जो पुरातत्वविदों को मिले हैं।

› इन सभी बिन्दुओं को मिलाकर एक विस्तृत उत्तर तैयार करेंगे।

उत्तर – विजयनगर के शहरी केंद्र में सामान्य लोगों के आवास मुख्य रूप से छप्पर के बने होते थे, जैसा कि पुर्तगाली यात्री बरबोसा ने बताया है, जो मज़बूत होते थे और व्यवसाय के आधार पर लंबी गलियों में व्यवस्थित थे। शहर में मुस्लिम रिहायशी मुहल्ले भी थे, जहाँ मक़बरे और मस्जिदें थीं जिनकी वास्तुकला मंदिरों के मंडपों से मिलती-जुलती थी। पुरातत्व सर्वेक्षणों से पता चला है कि इस पूरे क्षेत्र में कई छोटे पूजा स्थल और मंदिर थे, जो विभिन्न संप्रदायों के प्रचलन को दर्शाते हैं। पानी के लिए कुएँ, बरसात के पानी वाले जलाशय और मंदिरों के जलाशय सामान्य नगर निवासियों के लिए मुख्य स्रोत थे।

उदाहरण 8. विजयनगर के राजकीय केंद्र में 'महानवमी डिब्बा' का क्या महत्व था और इसका उपयोग किस लिए किया जाता था?

› सबसे पहले, महानवमी डिब्बा राजकीय केंद्र में एक बहुत ऊँचा और विशाल मंच था, लगभग 40 फीट ऊँचा।

› दूसरा, इसके आधार पर सुंदर नक्काशी और उत्कीर्णन (चित्र) बने हुए थे।

› तीसरा, इसका मुख्य उपयोग दशहरे, दुर्गा पूजा या महानवमी जैसे 10 दिन के बड़े हिंदू त्योहारों के अनुष्ठानों के लिए होता था।

› चौथा, इन अनुष्ठानों में राजा अपनी शक्ति, रुतबे और अधिकार का प्रदर्शन करते थे, जिसमें मूर्तियों की पूजा, घोड़ों की पूजा, भैंसों की बलि, नृत्य, कुश्ती, सेना की परेड और अधीनस्थ राजाओं द्वारा भेंट देना शामिल था।

उत्तर – महानवमी डिब्बा विजयनगर के राजकीय केंद्र का एक विशाल अनुष्ठानिक मंच था, जहाँ राजा दशहरे/महानवमी जैसे त्योहारों पर अपनी शक्ति और अधिकार का प्रदर्शन करते थे, जिसमें विभिन्न पूजाएँ, बलिदान, परेड और भेटें दी जाती थीं।

उदाहरण 9. मान लीजिए आपको कमल महल के बारे में कुछ जानकारी लिखनी है। इसमें आप किन मुख्य बातों का ज़िक्र करेंगे?

› सबसे पहले, आप बताएंगे कि यह विजयनगर के राजकीय केंद्र का एक बहुत ही सुंदर और अनोखा भवन था।

› फिर, इसका नाम 'कमल महल' क्यों पड़ा? उन्नीसवीं सदी के अंग्रेज यात्रियों ने इसे इसके कमल जैसे आकार के कारण यह नाम दिया था।

› तीसरा, इसका असली काम क्या था? इतिहासकार पक्के तौर पर नहीं जानते, पर कुछ का मानना है कि यह एक परिषदीय सदन रहा होगा, जहाँ राजा अपने सलाहकारों से मिलते थे।

› आखिरी बात, इसकी वास्तुकला कैसी थी? इसमें मेहराब (arch) जैसी संरचनाएं थीं, जिन पर इंडो-इस्लामिक स्थापत्य कला का प्रभाव दिखता है।

› बस, इतनी जानकारी देकर आप इस महल का एक अच्छा परिचय दे सकते हैं।

उत्तर – कमल महल विजयनगर के राजकीय केंद्र की एक अनूठी और सुंदर संरचना थी, जिसे इसके कमल-सदृश आकार के कारण अंग्रेज यात्रियों ने यह नाम दिया। इसका संभावित कार्य एक परिषदीय सदन का था, और इसकी वास्तुकला में इंडो-इस्लामिक शैलियों का मिश्रण देखा जा सकता है।

उदाहरण 10. विजयनगर में मंदिरों का चुनाव किस नदी के तट पर हुआ था और प्रमुख स्थानीय देवता कौन थे?

› सबसे पहले, विजयनगर का धार्मिक केंद्र तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित था।

› इस जगह को खास माना जाता था क्योंकि यहाँ कई स्थानीय मान्यताएँ थीं, जिसमें रामायण के बाली और सुग्रीव की कहानी भी जुड़ी थी।

› प्रमुख स्थानीय देवी पम्पादेवी थीं, जिन्होंने इन्हीं पहाड़ियों में विरुपाक्ष (जो भगवान शिव का एक रूप हैं और राज्य के संरक्षक देवता भी थे) से विवाह के लिए तपस्या की थी।

› आज भी विरुपाक्ष मंदिर में हर साल उनका विवाह उत्सव मनाया जाता है, जिससे इन देवताओं का महत्व समझ आता है।

उत्तर – विजयनगर में मंदिरों का चुनाव तुंगभद्रा नदी के तट पर हुआ था, और प्रमुख स्थानीय देवता पम्पादेवी तथा विरुपाक्ष (शिव का रूप) थे।

उदाहरण 11. मान लीजिए आपको एक विजयनगर मंदिर के गोपुरम् और मंडप की मुख्य विशेषताएँ बतानी हैं।

› सबसे पहले, गोपुरम् को समझेंगे। यह मंदिर का विशाल और बहुत ऊँचा प्रवेश द्वार होता था।

› यह दूर से ही मंदिर के होने का संकेत देता था और शासक की शक्ति को भी दिखाता था, जैसे राजा कितना ताकतवर है जो इतना भव्य प्रवेश द्वार बनवा सकता है।

› फिर आता है मंडप। मंडप मंदिर के अंदर के बड़े हॉल या कमरों को कहते हैं, जिनमें बहुत सारे स्तंभ होते थे।

› इन मंडपों का इस्तेमाल अलग-अलग चीज़ों के लिए होता था - जैसे देवताओं की मूर्तियों को संगीत-नृत्य दिखाने के लिए रखना, देवी-देवताओं की शादी का उत्सव मनाना, या उन्हें झूला झुलाना।

› जैसे विरुपाक्ष मंदिर का मुख्य मंडप कृष्णदेव राय ने बनवाया था, जो स्तंभों पर सुंदर नक्काशी से सजा था।

उत्तर – विजयनगर मंदिरों के 'राय गोपुरम्' विशाल और कलात्मक प्रवेश द्वार थे जो शासकों की शक्ति दिखाते थे। 'मंडप' मंदिर के भीतर स्तंभों वाले बड़े सभागार थे जहाँ धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते थे।

उदाहरण 12. विजयनगर स्थल का मानचित्र बनाने के लिए पुरातात्विक सर्वेक्षण की मुख्य विधि क्या थी?

› सबसे पहले, पूरे विजयनगर क्षेत्र को 25 बड़े-बड़े वर्गाकार हिस्सों में बाँटा गया।

› फिर, हर एक बड़े वर्ग को एक अक्षर दिया गया, जैसे A, B, C...

› इसके बाद, इन बड़े वर्गों को फिर से छोटे-छोटे वर्गों के समूहों में बाँटा गया।

› और अंत में, इन छोटे वर्गों को भी और छोटी-छोटी इकाइयों में विभाजित किया गया, ताकि हर एक इमारत, हर एक ईंट का सही-सही पता लगाया जा सके और दस्तावेज़ तैयार किए जा सकें।

उत्तर – विजयनगर स्थल का मानचित्र बनाने के लिए पूरे क्षेत्र को पहले 25 वर्गाकार भागों में बाँटा गया, जिन्हें फिर छोटे-छोटे वर्गों और इकाइयों में विभाजित करके हर भौतिक अवशेष का सूक्ष्मता से प्रलेखन किया गया।

उदाहरण 13. विजयनगर के बाज़ार में पेस और नूनिश द्वारा वर्णित प्रमुख खाद्य वस्तुएँ कौन-कौन सी थीं?

› यात्री डोमिंगो पेस के वृतांत को याद करते हैं। उन्होंने चावल, गेहूँ, अनाज, दालें, काला चना जैसी चीज़ों का ज़िक्र किया था।

› फर्नाओ नूनिश के वृतांत को याद करते हैं। उन्होंने फलों जैसे अंगूर, संतरे, नींबू, आम, कटहल की उपलब्धता बताई थी।

› नूनिश ने मांस की उपलब्धता पर भी ज़ोर दिया था, जिसमें भेड़-बकरी, सूअर, मृगमांस, तीतर, खरगोश, कबूतर और कई प्रकार के पक्षी शामिल थे।

उत्तर – विजयनगर के बाज़ारों में चावल, गेहूँ, दालें, विभिन्न प्रकार के फल जैसे अंगूर, संतरे, नींबू, आम और कई प्रकार के मांस जैसे भेड़, सूअर, तीतर, खरगोश प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थे।

उदाहरण 14. विजयनगर साम्राज्य में बड़े-बड़े मंदिरों और इमारतों के निर्माण के बावजूद, आम लोगों और मज़दूरों की सोच व अनुभव के बारे में जानकारी का अभाव क्यों है?

› पहला कदम: हमें यह समझना होगा कि ज़्यादातर ऐतिहासिक स्रोत राजाओं, दरबारियों और विदेशी यात्रियों द्वारा लिखे गए हैं। ये लोग मुख्य रूप से शासकों की महिमा, युद्धों और भव्य इमारतों का वर्णन करते थे।

› दूसरा कदम: स्थापत्य संबंधी साक्ष्य (जैसे इमारतें, मूर्तियाँ) हमें इमारतों के आकार, शैली और उपयोग के बारे में बताते हैं, लेकिन यह नहीं बताते कि आम जनता इन इमारतों के बारे में क्या सोचती थी या उन्हें बनाने वाले कारीगरों का जीवन कैसा था।

› तीसरा कदम: आम लोग या मज़दूर अपने अनुभवों को लिखित रूप में दर्ज करने में सक्षम नहीं थे, या उनके वृतांतों को उस समय महत्वपूर्ण नहीं माना गया, इसलिए वे आज उपलब्ध नहीं हैं।

› चौथा कदम: निर्माण परियोजनाओं में शामिल विशिष्ट ज्ञान जैसे कि नक्शे किसने बनाए, कारीगर कहाँ से आए, उन्हें क्या वेतन मिला, इन सब की जानकारी भी अक्सर लिखित स्रोतों या स्थापत्य साक्ष्यों में नहीं मिलती है।

› पाँचवाँ कदम: इसका मतलब है कि इतिहास पुनर्निर्माण में हमें एक तरफ़ तो भव्यता दिखती है, पर दूसरी तरफ़ समाज के एक बड़े वर्ग की आवाज़ और उनके योगदान की कमी महसूस होती है।

उत्तर – विजयनगर के इतिहास में आम लोगों और मज़दूरों की सोच व अनुभव की जानकारी का अभाव इसलिए है क्योंकि उपलब्ध ऐतिहासिक स्रोत मुख्य रूप से शासकों और भव्य संरचनाओं पर केंद्रित हैं, जबकि आम जनता के अनुभवों को दर्ज करने वाले दस्तावेज़ दुर्लभ हैं, और स्थापत्य साक्ष्य केवल भौतिक स्वरूप दर्शाते हैं, भावनाएँ या विचार नहीं।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• कर्नल मैकेंजी की भूमिका और हम्पी की खोज की तारीख, ये दोनों बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, इन्हें अच्छे से याद कर लेना।

• राय, नायक और अमर-नायक प्रणाली से संबंधित प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर आते हैं, खासकर दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में। इसलिए इनकी भूमिका और आपस में उनके संबंधों को अच्छे से समझ लेना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। खासकर 'घोड़ा व्यापार का महत्व', 'पुर्तगालियों का प्रभाव' और 'शहर के बाज़ारों की समृद्धि' पर सीधे प्रश्न पूछे जा सकते हैं। कृष्णदेव राय के अमुक्तमाल्यद ग्रंथ में दिए गए व्यापारी संबंधी विचारों पर भी प्रश्न आ सकता है, तो उसे ध्यान से पढ़ना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर कृष्णदेव राय के योगदान और तालीकोटा युद्ध के कारण व परिणामों पर सीधा प्रश्न अक्सर पूछा जाता है।

• यह प्रश्न सीधे-सीधे 3 या 5 नंबर में आ सकता है, 'विजयनगर साम्राज्य की जल-प्रबंधन प्रणालियों का वर्णन करें' – तो कमलपुरम् जलाशय और हिरिया नहर का ज़िक्र करना न भूलें, बच्चों।

• यह प्रश्न 'विजयनगर की किलेबंदी की विशेषताएँ' के रूप में बोर्ड परीक्षा में अक्सर आता है, तो कृषि क्षेत्रों को शामिल करने वाले बिंदु को खास तौर पर याद रखना, यह बहुत महत्वपूर्ण है।

• यह भाग सीधे तौर पर बड़ा प्रश्न नहीं बनाता, लेकिन विजयनगर साम्राज्य की सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषताओं पर किसी भी प्रश्न में इसे एक महत्वपूर्ण बिंदु के रूप में जोड़ा जा सकता है।

• महानवमी डिब्बा और सभा मंडप के बारे में प्रश्न अक्सर आते हैं। इनके उपयोग और विशेषताओं को अच्छे से याद रखना, खासकर महानवमी डिब्बा के अनुष्ठानों का वर्णन।

• इन इमारतों के नाम, उनके संभावित कार्य और उन पर दिखने वाले स्थापत्य प्रभावों पर आधारित प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछे जाते हैं। खासकर 'इंडो-इस्लामिक स्थापत्य' वाला बिंदु बहुत महत्वपूर्ण है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर मंदिरों के महत्व, स्थानीय देवताओं और राजाओं के मंदिर निर्माण संबंधी नीतियों पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! विजयनगर के गोपुरम् और मंडप की विशेषताओं, और विरुपाक्ष व विट्ठल मंदिरों की खास बातों को विस्तार से तैयार करना। अक्सर इस पर लंबा उत्तर लिखने वाला प्रश्न आता है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें 'विजयनगर की खोज व संरक्षण की मुख्य घटनाएँ' से संबंधित प्रश्न आ सकते हैं, खासकर मानचित्रा निर्माण की विधियों पर। इसे अच्छे से समझ लें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यात्रियों के वृत्तांत अक्सर स्रोत-आधारित प्रश्नों या छोटे उत्तर वाले प्रश्नों में पूछे जाते हैं। आपको विशेष रूप से पेस और नूनिश द्वारा वर्णित वस्तुओं और उनकी उपलब्धता के बारे में जानकारी याद रखनी चाहिए।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर 'स्रोत आधारित प्रश्न' या 'दीर्घ उत्तरीय प्रश्न' के रूप में पूछा जाता है। खासकर 'इतिहास के पुनर्निर्माण की सीमाएँ' या 'किन पहलुओं पर अधिक शोध की आवश्यकता है' जैसे प्रश्नों पर ध्यान देना।

एक नज़र में रिवीज़न

› विजयनगर स्थापना (हरिहर-बुक्का, 1336), हम्पी खोज (मैकेंजी, 1800)।

› राय (शासक), नायक (सैन्य कमांडर), सुल्तान (पड़ोसी) विजयनगर की राजनीतिक संरचना के केंद्र थे।

› विजयनगर: अश्वसेना हेतु घोड़ा व्यापार, पुर्तगाली आगमन, मसालों/रत्नों के बाज़ार, राजस्व से समृद्धि।

› कृष्णदेव राय का स्वर्णकाल; 1565 तालीकोटा युद्ध से विजयनगर का पतन।

› विजयनगर जल-प्रबंधन: तुंगभद्रा, पहाड़ी बांध, कमलपुरम् जलाशय, हिरिया नहर।

› विजयनगर: सात-पंक्ति किलेबंदी, कृषि क्षेत्र शामिल, इंडो-इस्लामिक प्रवेशद्वार, योजनाबद्ध सड़कें।

› विजयनगर के आम लोगों के घर (छप्पर), मुस्लिम मुहल्ले, पानी के स्रोत (कुएँ, जलाशय)।

› राजकीय केंद्र: महानवमी डिब्बा, सभा मंडप, लोटस महल; राजा की शक्ति व धार्मिक अनुष्ठान।

› कमल महल (परिषदीय सदन), हाथी अस्तबल (इंडो-इस्लामिक प्रभाव) - विजयनगर के विशेष स्थापत्य।

› विजयनगर के मंदिर तुंगभद्रा तट पर, विरुपाक्ष-पम्पादेवी केंद्रित, शासकों की सत्ता के प्रतीक।

› विजयनगर के मंदिरों में 'राय गोपुरम्' विशाल प्रवेश द्वार, 'मंडप' स्तंभों वाले बड़े सभागार।

› विजयनगर सर्वेक्षण: 25-भागों में विभाजन, मानचित्रा निर्माण, सूक्ष्म प्रलेखन।

› विजयनगर के बाजार: पेस, नूनिश - हीरे, कपड़े, सस्ते अनाज, फल, विविध मांस।

› इतिहास पुनर्निर्माण में स्थापत्य की सीमाएँ; आम जनता व श्रमिकों की सोच अज्ञात।